

न्यायालय जिला कलेक्टर, कोटा

पीठासीन अधिकारी:- ओम कसेरा, I.A.S.

प्रकरण संख्या -11/2018 (अपील)

मोहनलाल मीणा पुत्र श्री चतुर्भुज मीणा, जाति मीणा, निवासी 1111, महावीर नगर प्रथम, कोटा

—अपीलाण्ट.

बनाम

1. नितिन मीणा पुत्र रामलाल मीणा जाति मीणा, निवासी गली नं0 7, चोपडा फार्म, डडवाडा, कोटा जं0 कोटा
2. नायब तहसीलदार, उप तहसील मण्डाना, तहसील लाडपुरा कोटा
3. स्टेट ऑफ राजस्थान जर्गे तहसीलदार लाडपुरा जिला कोटा (राज0)
—रेस्पोंडेन्ट.



अपील अर्न्तगत धारा 75 राजस्थान भूराजस्व अधिनियम 1956
विरुद्ध नायब तहसीलदार मण्डाना इंतकाल संख्या 1383 दिनांक
19.06.2015 ग्राम धर्मपुरा तह0 लाडपुरा

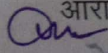
रस्थिति

1. श्री उत्पल शर्मा, अभिभाषक अपीलान्ट

निर्णय

दिनांक- 11.12.019

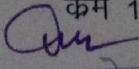
1. अपील के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार, लाडपुरा द्वारा दिनांक 19.06.2015 नामा0 सं0 1383 मुताबिक विक्रय पत्र दिनांक क्रमशः 19.2.2013, 27.2.2013, 27.2.2013 व रिपोर्ट पटवारी एवं आई. एल. आर. अनुसार स्वीकृत किया गया।
2. उक्त आदेश की अप्रसन्नता में यह अपील दिनांक 15.11.2017 को लिमिटेशन एक्ट के प्रार्थना पत्र मय शपथ पत्र के साथ पेश कर कथन किया है कि योग्य अधीनस्थ न्यायालय नायब तहसीलदार मण्डाना द्वारा रेस्पोंड सं0 1 के पक्ष में नामा0 सं0 1383 दिनांक 19.6.2015 स्वीकार करने में कानूनी त्रुटि की है। अपीलार्थी द्वारा वादग्रस्त खसरा नम्बर 253 रकबा 0.60 हे0, ख0 नं0 254 रकबा 0.04 हे0, ख0 नं0 259 रकबा 0.48 हे0, कुल कित्ता 3 रकबा 1.12 हे0, वाके ग्राम धर्मपुरा में माधोलाल, रतनबाई, भवानी बाई पिसरान स्व0 पांचू, रामनाथी बेवा स्व0 पांचू, छीतरलाल पुत्र केसर, अयोध्याबाई पुत्री केसर का हिस्सा 4/7 जर्गे रजिस्टर्ड विक्रय पत्र खरीद किया गया था, जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक मण्डाना, के कार्यालय में पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 94, क्रम संख्या 982, पृष्ठ संख्या 128 पर दिनांक 28.9.2012 को हो रहा है जिसके बाबत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आराजी का अपीलार्थी के पक्ष में नामान्तकरण खोला जाकर तस्दीक करने हेतु


जिला कलेक्टर
कोटा

अपीलार्थी द्वारा नायब तहसीलदार, मण्डाना को प्रार्थना पत्र भी प्रस्तुत किया गया था, परन्तु अधीनस्थ न्यायालय द्वारा अपीलार्थी के आवेदन पर कार्यवाही नहीं कर रेस्पोंडेन्ट क्रम 1 के पक्ष में नामान्तरण स्वीकार करने में कानूनी त्रुटि की गई है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा वादग्रस्त आराजी को विक्रेतागण माधोलाल, रतनबाई, भवानी बाई पिसरान स्व0 पांचू, रामनाथी बेवा स्व0 पांचू, छीतरलाल पुत्र केसर, द्वारा पृथक पृथक विक्रय पत्रों क्रमशः दिनांक 19.2.2013, 27.2.2013, 27.2.2013 से रेस्पोंडेन्ट क्रम 1 को बैचान के आधार पर जैर अपील नामान्तरण तस्दीक किया गया है, जबकि उक्त वादग्रस्त आराजी का बैचान इससे पूर्व ही उन्हीं विक्रेतागण द्वारा अपीलार्थी को किया जा चुका था एवं कानूनन पश्चातवर्ती तथाकथित विक्रय की तिथि को उक्त आराजी में विक्रेतागण का कोई हित, अधिकार एवं खातेदारी अधिकार नहीं था, इसलिए विक्रेतागण द्वारा रेस्पोंडेन्ट क्रम 1 के पक्ष में पश्चातवर्ती निष्पादित विक्रय पत्र अवैध, अनाधिकृत एवं प्रभावशून्य था, परन्तु अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उक्त तथ्यों को नजरअंदाज कर नामान्तरण स्वीकार करने में कानूनी त्रुटि की है। अतः अपील अपीलांत स्वीकार फरमाई जाकर नामान्तरण संख्या 1383 दिनांक 19.6.2015 जैर अपील योग्य अधीनस्थ न्यायालय निरस्त फरमाया जावें।

3. अपील पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पोंड को तलब किया गया। रेस्पोंडेन्ट की ओर से श्री चन्द्रशेखर कक्कड़ एडवोकेट का वकालतनामा पेश हुआ। वकील रेस्पोंडेन्ट को बहस हेतु मौके दिये गये किन्तु रेस्पोंडेन्ट एवं वकील रेस्पोंडेन्ट बावजूद सूचना के बहस हेतु उपस्थित नहीं होने से वकील रेस्पोंडेन्ट की अनुपस्थिति दर्ज की जाकर वकील अपीलांत की एकपक्षीय बहस सुनी गई।

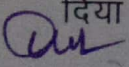
4. वकील अपीलान्त ने दौराने बहस अपील में अंकित तथ्यों को ही दौहराते हुए कथन किया कि अपीलार्थी द्वारा वादग्रस्त खसरा नम्बर 253 रकबा 0.60 हे0, ख0नं0 254 रकबा 0.04 हे0, ख0नं0 259 रकबा 0.48 हे0, कुल कित्ता 3 रकबा 1.12 हे0, वाके ग्राम धर्मपुरा में माधोलाल, रतनबाई, भवानी बाई पिसरान स्व0 पांचू, रामनाथी बेवा स्व0 पांचू, छीतरलाल पुत्र केसर, अयोध्याबाई पुत्री केसर का हिस्सा 4/7 जर्गे रजिस्टर्ड विक्रय पत्र खरीद किया गया था, जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक मण्डाना, के कार्यालय में पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 94, क्रम संख्या 982, पृष्ठ संख्या 128 पर दिनांक 28.9.2012 को हो रहा है, जिसके बाबत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आराजी का अपीलार्थी के पक्ष में नामान्तरण नहीं खोला गया अपितु माधोलाल पुत्र पांचू के द्वारा विवादास्पद भूमि में से अपना 1/15वां हिस्सा दिनांक 19.2.2013 को, माधोलाल द्वारा ही मुख्तारनामा से रामनाथी बेवा पांचू, रतनबाई, भवानी पुत्रियां पांचू का 3/15वां हिस्सा दिनांक 28.2.2013 को एवं छीतर पुत्र केसर बाई द्वारा हिस्सा 1/6 दिनांक 28.2.2013 को नितिन मीणा को बैचान कर दिया जिसका अधीनस्थ न्यायालय द्वारा वादग्रस्त आराजी को विक्रेतागण माधोलाल, रतनबाई, भवानी बाई पिसरान स्व0 पांचू, रामनाथी बेवा स्व0 पांचू, छीतरलाल पुत्र केसर, द्वारा पृथक पृथक विक्रय पत्रों से रेस्पोंडेन्ट क्रम 1 को बैचान के आधार पर जैर अपील नामान्तरण तस्दीक किया गया


जिबा कलेक्टर
झोरा

है, जबकि उक्त वादग्रस्त आराजी का बैचान इससे पूर्व ही उन्हीं विक्रेतागण द्वारा अपीलार्थी को किया जा चुका था एवं कानूनन पश्चातवर्ती तथाकथित विक्रय की तिथि को उक्त आराजी में विक्रेतागण का कोई हित, अधिकार एवं खातेदारी अधिकार नहीं था, इसलिए विक्रेतागण द्वारा रेस्पोजेन्ट क्रम 1 के पक्ष में पश्चातवर्ती निष्पादित विक्रय पत्र अवैध, अनाधिकृत एवं प्रभावशून्य था, परन्तु अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उक्त तथ्यों को नजरअंदाज कर नामान्तकरण स्वीकार करने में कानूनी त्रुटि की है। अतः अपील अपीलांत स्वीकार फरमाई जाकर नामान्तकरण संख्या 1383 दिनांक 19.6.2015 जैर अपील योग्य अधीनस्थ न्यायालय निरस्त फरमाया जावे। वकील अपीलांत द्वारा अपील के पक्ष में न्यायिक दृष्टान्त आर.एल.डब्ल्यू 2006(1)आरजे, मगनीराम बनाम कंकूबाई व अन्य, निगरानी/एलआर/58/2003/चित्तौड़गढ़, निर्णय दिनांक 24 अगस्त, 2005 प्रस्तुत की गई।

5. हमने वकील अपीलांत की एकपक्षीय बहस सुनी, बहस पर मनन किया एवं पत्रावली का भली भांति अवलोकन किया। अपीलान्त द्वारा यह अपील इस न्यायालय में दिनांक 15.11.2017 को लिमिटेशन एक्ट की धारा 5 के प्रार्थना पत्र के साथनामा सं० 1383 दिनांक 19.6.2015 के विरुद्ध पेश की है। जो दौ वर्ष बाद पेश की है जो मियाद बाहर है किन्तु विलम्ब से पेश करने का कारण अंकित किया है कि अपीलांत को आदेश की जानकारी होने पर नायब तहसीलदार मण्डाना से सम्पर्क करने पर उनके द्वारा जिला कलेक्टर कोटा के समक्ष रेफरेंस प्रस्तुत करने का आश्वासन दिया गया तथा नायब तहसीलदार मण्डाना द्वारा प्रस्तुत रेफरेंस पर श्रीमान जिला कलेक्टर कोटा द्वारा अपीलार्थी को अपील का अधिकार प्राप्त होने के आधार पर रेफरेंस लौटा दिया गया है, जिसके बावत नायब तहसीलदार मण्डाना द्वारा अपीलार्थी को दिनांक 6.11.2017 को जानकारी दी गई, अतः वकील अपीलांत द्वारा लिमिटेशन के प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों को ध्यान में रखते अपील प्रस्तुत करने में हुआ विलम्ब क्षम्य योग्य होने से न्यायहित को दृष्टिगत रखते हुए लिमिटेशन एक्ट की धारा 5 का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है।

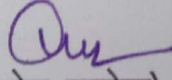
6. ग्राम धर्मपुरा के वादग्रस्त खसरा नम्बर 253 रकबा 0.60 हे०, ख०नं० 254 रकबा 0.04 हे०, ख०नं० 259 रकबा 0.48 हे०, कुल किता 3 रकबा 1.12 हे०, वाके ग्राम धर्मपुरा में माधोलाल, रतनबाई, भवानी बाई पिसरान स्व० पांचू, रामनाथी बेवा स्व० पांचू, छीतरलाल पुत्र केसर, अयोध्याबाई पुत्री केसर का हिस्सा 4/7 जर्जे रजिस्टर्ड विक्रय पत्र अपीलांत द्वारा खरीद किया गया था, जिसके विक्रय पत्र का पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक मण्डाना, के कार्यालय में पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 94, क्रम संख्या 982, पृष्ठ संख्या 128 पर दिनांक 28.9.2012 को हो रहा है जिसके बावत विक्रय पत्र के आधार पर उक्त आराजी का अपीलार्थी के पक्ष में नामान्तकरण नहीं खोला जाकर उपरोक्त खातेदारों द्वारा पुनः इसी आराजी को पृथक पृथक विक्रय पत्रों दिनांक 19.2.2013, 27.2.2013, 27.2.2013 से नितिन मीणा को बेचान कर दिया गया जिसका नामान्तकरण नायब तहसीलदार मण्डाना द्वारा तस्दीक कर


जिज्ञा कलेक्टर
कोटा

दिया गया, जबकि उपरोक्त खातेदारान द्वारा उक्त भूमि का प्रथम बैचान 28.9.2012 को हो जाने के पश्चात इस भूमि पर उनका कोई अधिकार निहित नहीं रहता है, ऐसी स्थिति में बाद के विक्रय पत्रों दिनांक 19.2.2013, 27.2.2013, 27.2.2013 से नितिन मीणा के पक्ष में खोला गया नामान्तकरण संख्या 1383 दिनांक 19.6.2015 न्यायविरुद्ध एवं त्रुटिपूर्ण है जो निरस्त योग्य है ।

7. अतः अपील अपीलान्त आंशिक स्वीकार की जाकर अधिनस्थ न्यायालय का नामान्तकरण संख्या 1383 दिनांक 19.06.2015 ग्राम धर्मपुरा निरस्त किया जाकर प्रकरण नायब तहसीलदार मण्डाना तहसील लाडपुरा को प्रतिप्रेषित किया जाकर आदेश दिये जाते है कि उपरोक्त बैचान में सभी पक्षकारान को सुना जाकर विधि के परिपेक्ष्य में नवीन आदेश पारित करें ।
8. निर्णय आज दिनांक 11.12.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया ।




(ओम कसेरा)

जिला कलक्टर कोटा